सच्चे नाम वाली बूटी

सच्चे नाम वाली बूटी मेरे गुरां ने पिलाई।

प्यासी आत्मा सी मेरी
प्यास उसदी बुझाई ।।
रेहा भटकदा मैं दर-
दर,दुर-दूर होई,

मेरी आत्मा निमाणी
कई-कई वार रोई,
दित्ता ग्यान वाला छिट्टा
तद् होश मैंनू आई।

मेरे गुरां मेरे उत्ते
उपकार कीता ऐ,
पंजा वैरीयां नूँ सत्गुरां
मार दित्ता ऐ,

रोग हो गये ने नाश
ऐसी दित्ती ऐ दवाई।
"अजय" भुल्लेया ई
फिरदा सी गुरां वाला द्वारा,

विच्च नेरेया दे आखर
च होया उजिआला,
मैनूँ आ गई ऐ होश
मेरी रूह रुशनाई।

पं-अजय वत्स
महदूद।
9478062295

Source:
https://www.bharattemples.com/sache-naam-vali-booti-mere-guraa-ne-pilai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw